महत्वपूर्ण एवं खास

महुआ शराब बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस का छापा, 250 लीटर महुआ शराब के साथ तीन गिरफ्तार

महासमुंद (आरएनएस)। बसना शहर में अवैध रूप से महुआ शराब बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस ने छापा मारा है। पुलिस ने यहां से बड़ी मात्रा में महुआ शराब के साथ इसे बनाने की सामग्री जब्त की है। यहां से पुलिस को कुल 250 लीटर अवैध महुआ शराब मिली है, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए आंकी गई है। साइबर सेल और बसना पुलिस की संयुक्त टीम ने वार्ड 12 गुरुनानक धर्मशाला के पीछे दबिश दी। यहां 3 संदिग्ध व्यक्ति मिले। पुलिस ने जब उनके घर में दबिश दी तो शराब तैयार करने की फैक्ट्री और 250 लीटर महुआ शराब मिली। संयुक्त कार्रवाई में थाना बसना प्रभारी लेख राम ठाकुर, साइबर सेल प्रभारी संजय सिंह राजपूत आदि थे। पुलिस की टीम ने मौके से गुरूनानक धर्मशाला के पीछे थाना बसना निवासी प्रकाश ओगरे (26), संजय चतुर्वेदी (32), तेजराम रत्नाकर (34) को मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपियों से कुल 250 लीटर देशी महुआ शराब जब्त की है। सभी के खिलाफ थाना बसना में आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

बिजली के करंट से पति-पत्नी की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम मधोता में बिजली करंट की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत हो गई। पुलिस व फॉरेंसिक टीम भी मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भानपुरी के साधुपारा निवासी एक महिला खेत में काम कर रहे पति के लिए खाना छोडऩे के लिए पहुंची थी। खेत में फैंसिंग तार में करंट होने की वजह से अचानक करंट की चपेट में आ गई, जिसके बाद पत्नी को तड़पता देख पति उसे बचाने के लिए दौड़ता हुआ आया और जैसे ही वह अपनी पत्नी को पकड़ा करंट दोनों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके बाद मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची, फॉरेंसिक टीम भी मामले की जांच कर रही है। भानपुरी थाना प्रभारी राजेश मरई ने बताया कि पति-पत्नी की करंट से हुई मौत के बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद जो रिपोर्ट आएगी उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया मौत का कारण करंट से ही होना प्रतीत हो रहा है। सीएसईबी के अधिकारी सहदेव ठाकुर ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति, मवेशियों के लिए करंट लगाया है तो इसका जिमेदार वही होगा, अगर हमारी गलती से किसी की मौत होती है तो हम पीडि़ता के परिजनों को मुआवजा देते हैं।

बुजुर्ग महिला की लाश मिलने से सनसनी धारदार हथियार से की गई हत्या

कवर्धा (आरएनएस)। बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है. पिपरिया थाना क्षेत्र के सिंघनपुरी गांव में शुक्रवार आधी रात महिला की उसके ही घर के आंगन में बेरहमी से हत्या कर दी गई. घर में रखा संदूक भी गायब मिला जिसमें कैश और जेवर रखे हुए थे. हालांकि पुलसि ने चोरी हुए संदूक को घटनास्थल से 200 मीटर दूर पर बरामद कर लिया. संदूक में रखा सामान गायब है. मृतका के पति ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए थे. हम पति-पत्नी कमरे में सोए हुए थे. आधी रात जब मेरी नींद खुली तो पत्नी भगवनतीन बाई सतनामी अपने बिस्तर पर नहीं थी. कुछ समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं आई तो मैं देखने बाहर निकला. तब देखा कि वो खून से लथपत जमीन पर पड़ी हुई थी. परिवार के अन्य लोगों को उठाया और पुलिस को मामले की जानकारी दी. सूचना मिलते ही पुलिस डॉग स्क्वॉयड और विशेष टीम के साथ मौके पर पहुंची. एएसपी मनीषा ठाकुर रावटे ने बताया कि सिंघनपुरी गांव में 63 साल की महिला भगवनतीन बाई सतनामी की लाश आंगन में पड़ी मिली है. महिला की धारदार हथियार से सिर पर वार कर हत्या किया गया है. परिजनों के मुताबिक घर में चोरी भी हुई है. चोरी हु संदूक को घर से कुछ दूर बरामद कर लिया गया. लेकिन उसमें समान नहीं था. परिजनों के मुतबिक संदूक में गहने व कैश था. पुलिस छानबीन कर रही है.

मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी नरवा विकास कार्यक्रम का दिखने लगा असर

- भीषण गर्मी के दिनों में भी उपचारित नरवा है पानी से लबालब
- मुख्यमंत्री ने हेलीकाप्टर से सफ र के दौरान देखा नरवा का नजारा
- सुराजी गांव योजना से गांवों और ग्रामीणों की जीवन में बदलाव की बयार

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव योजना के नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी विकास कार्यक्रम के सार्थक परिणाम अब ग्रामीण अंचल में दिखाई देने लगे हैं। सुराजी गांव योजना के प्रथम घटक नरवा विकास कार्यक्रम के चलते अब अप्रैल-मई महीने में भी बरसाती नालों में दूर-दूर तक लबालब जल भराव का नजारा देखने को मिलने लगा है। राज्य के हजारों नाले जो गर्मी शुरू होने से पहले ही दम तोड़ देते थे, उनमें अब अप्रैल-मई महीने में भी जल का भराव और बहाव बना रहने लगा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने भेंट-मुलाकात अभियान के तहत सूरजपुर जिले के विधानसभा क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान हेलीकॉप्टर से सफर करते हुए पनारी नाला में कई किलोमीटर तक जल का भराव देखकर प्रसन्नता जताई और कहा कि छत्तीसगढ़ में खुशहाली और समृद्धि के लिए बरसाती नालों का संरक्षण एवं वर्षा जल का संग्रहण जरूरी है। उन्होंने राज्य में नरवा विकास कार्यक्रम के बेहतर परिणाम के लिए इसके क्रियान्वयन में जुटे अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण के क्षेत्र में सूरजपुर जिले को राष्ट्रीय अवार्ड मिल चुका है। वर्षा जल की रोकथाम के लिए सूरजपुर जिले में तालाबों, कुओं के निर्माण तथा नालों के उपचार से जल संरक्षण के साथ-साथ भू-जल स्तर को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय सफलता मिली है, जिसके चलते न सिर्फ भू-स्तर बढ़ा है, बल्कि 30 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सूरजपुर जिले के दौरे के दौरान हेलीकॉप्टर से पहाड़मोहिनी ग्राम पंचायत के पनारी नाले का मुआयना किया। इस नाले का उपचार नरवा विकास कार्यक्रम के तहत वर्षा जल की रोकथाम के लिए लूज, बोल्डर चेक, चेकडेम, गली प्लग, कंटूर ट्रेंच, स्टाप डेम सहित अन्य संरचनाओं का निर्माण जगह-जगह कराया गया है। जिसके चलते पनारी नाले में अब गर्मी के दिनों में भी जल का भराव रहने लगा है। इससे नाले आसपास के इलाकों के भू-जल स्तर में आशातीत वृद्धि हुई है। नाले के किनारे वाले किसान जल उपलब्धता सुनिश्चित होने से अब बेहतर खेती करने लगे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि नरवा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 30 हजार नाले चिन्हांकित किए गए हैं, जिनमें वर्षा जल के रोकथाम एवं जल संचयन के लिए चरणबद्ध तरीके से उपचार के कार्य कराए जाने रहे है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं वन विभाग द्वारा राजस्व एवं वन क्षेत्रों में स्थित लगभग 8 हजार बरसाती नालों का उपचार कराए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में भू-जल स्तर बेहतर हुआ है। नाले के पानी से सिंचाई सुविधा प्राप्त कर किसान दोहरी फसलें विशेषकर सब्जी की खेती करने लगे हैं। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगी है। सुराजी गांव योजना के नरवा विकास कार्यक्रम के साथ-साथ गरूवा घटक के तहत गांवों में गौठानों का निर्माण होने से पशुधन संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ गोधन न्याय योजना से गौठानों में गोबर खरीदी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति और गांवों में रोजगार का अवसर बढ़ा है। घुरूवा कार्यक्रम के माध्यम से वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट के उत्पादन से राज्य में अब जैविक खेती को बढ़ावा तथा बाड़ी विकास कार्यक्रम से ग्रामीण अंचल में पौष्टिक सब्जियों एवं फलों के उत्पादन से पोषण की स्थिति में भी सुधार दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सुराजी गांव योजना के चारों घटक से आज गांवों एवं ग्रामीणों की स्थिति में सकारात्मक बदलाव खुशहाली बयार बहने लगी है।

छत्तीसगढ़ में बिजली के दूसरे विकल्पों के लिए होगा काम

कोरबा । राज्य सरकार ने अगले 2030 तक एक बिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को घटाने का लक्ष्य रखा है। संसाधनों का उपयोग करते हुए ऊर्जा के नवीकरणीय विकल्पों के लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। राज्य सरकार ने ग्लासगो सम्मेलन कोप-26 में 2070 तक जीरो इमीशन प्राप्त करने का संकल्प लिया है। इसमें देश की कुल उर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से आपूर्ति और कार्बन उत्सर्जन एक बिलियन टन तक घटाने का निर्णय भी लिया गया है।

योजना आयोग के मुताबिक प्रदेश में भविष्य के लिए ऊर्जा की जरूरत व उर्जा के विकल्पों के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत है। कोरबा में लगभग 88 हजार लोगों की आजीविका कोयला उत्खनन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर है। इसलिए इस पर विचार करने से पहले सभी पहलुओं पर भी विचार करने की आवश्यकता है। भविष्य में पर्यावरण अनुकूल उर्जा के स्त्रोतों का विकास के साथ.साथ स्थानीय लोगों के सामाजिक आर्थिक जीवन में पडऩे वाले प्रभावों पर ध्यान दिया जाएगा। सबसे अधिक प्रदूषित कोरबा के लिए वन संसाधन, वनोपज, वन प्रसंस्करण उद्योग आजीविका विकास में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। राज्य योजना आयोग की ओर से नवा रायपुर के योजना भवन में प्रदूषण व जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के परिदृश्य में भविष्य के सामाजिक-आर्थिक विकास पर मंथन हुआ। ग्रीनपीस इंडिया और सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर सीआरइए की रिपोर्ट 2021 में सर्वाधिक सल्फर डाइआक्साइड गैस उत्सर्जन में मध्य प्रदेश के सिंगरौली, दूसरे नंबर पर तमिलनाडु का नेवेली और तीसरे नंबर पर छत्तीसगढ़ के कोरबा है। छत्तीसगढ़ का कोरबा अकेले 282 किलो टन सल्फर डाइआक्साइड का उत्सर्जन के साथ भारत में तीसरे व विश्व में 17 वें स्थान पर है।

वन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करना जरूरी है। उर्जा की आवश्यकता के लिए संसाधनों का उपयोग करते हुए ऊर्जा के नवीकरणीय विकल्पों के लिए एक व्यापक एवं बैलेंस कार्ययोजना बनाई जा रही है। कोरबा देश और प्रदेश का सबसे प्रमुख कोयला उत्पादक जिला है। यह प्रदेश की दो करोड़ 50 लाख आबादी को उर्जा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उर्जा के अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए पर्याप्त अधोसंरचना और व्यवस्था विकसित होने तक सतत विकास के लिए कोयला पर निर्भरता अपरिहार्य है।

भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों का करें त्वरित निराकरण-कलेक्टर

कोरबा । कलेक्टर रानू साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भू अर्जन एवं मुआवजा वितरण के संबंध में समीक्षा बैठक ली। साहू ने विभिन्न धाराओं में भू-अर्जन से संबंधित लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साहू ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को विभागों से समन्वय स्थापित कर भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों का निराकरण करने के लिए कहा।

कलेक्टर साहू ने मुआवजा वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन प्रकरणों में मुआवजा वितरण शेष है उन प्रकरणों का तत्काल निराकरण करते हुए तत्काल मुआवजा वितरण करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर सुनील नायक, संयुक्त कलेक्टर विजेंद्र पाटले, एसडीएम पाली ममता यादव, एसडीएम कोरबा हरिशंकर पैकरा, एसडीएम पौड़ी-उपरोड़ा नंदजी पांडे, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पसान और केंदई रेंज में पहुंचे 42 हाथियों का दल

कोरबा । कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल के पसान और केंदई क्षेत्र में 42 साथी तीन अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हैं। इनमें से 32 पसान रेंज के जलके सर्किल के बर्रा जंगल से आगे बढक़र गाढ़ागोड़ा पहुंच गए हैं। इन हाथियों ने फिलहाल कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन हाथियों के आने की खबर मात्र से आसपास के लोग डरे हुए हैं।

पिछले अनुभव को याद करते हुए लोग भयभीत हैं कि वह कहीं एक बार फिर यहां पर उत्पात मचा देए इसे देखते हुए वन अमला सतर्क हो गया है बताया गया कि हाथियों ने जंगल में दो दिनों तक डेरा डाल रखा था। इस दौरान आधी रात को गांव की बस्ती में पहुंचकर एक मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। 1 दिन पहले यानी शनिवार को जंगल में दिनभर विश्राम काम करने के बाद शाम को हाथी आगे बढ़े और जंगल में घूमते हुए गाडागोड़ा पहुंच गए। हाथियों के दल को रविवार की सुबह यहां पर विचरण करते हुए देखा गया है। केंदई क्षेत्र के लालपुर परिसर में 7 हाथी और पर्ल में 3 हाथी घूम रहे हैं।

बिना तिरपाल के दौड़ रहे रेत परिवहन ट्रैक्टर

कोरबा । सरकारी नियम कायदों की शहर में लगातार धज्जियां उड़ रही हैं और यह काम अभी भी जारी है। रेत परिवहन करने वाले वाहन पहले की तरह अभी भी ढर्रे पर चल रहे हैं जबकि प्रशासन ने सुरक्षा इंतजाम को लेकर फरमान जारी किया है।

हाल में ही आदेश जारी किया गया था कि वायु प्रदूषण की समस्या और इसके कारण लोगों को हो रही लोगों को परेशानी को देखते हुए रेत परिवहन करन वाले वाहनों को हर हाल में तिरपाल ढंकना होगा। इसके अभाव में कार्रवाई की जाएगी। देखने को तस्वीरें आ रही है कि हसदेव नदी के विभिन्न घाटों से रेत खनन कर परिवहन करने वाले वाहन सरेआम दौड़ रहे हैं। इन पर तिरपाल ढंकने की व्यवस्था करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। कोरबा के मुख्य मार्ग से लेकर शारदा विहार, पीएच रोड, ट्रांसपोर्ट नगर और निहारिका कोसाबाड़ी मार्ग से ऐसे वाहन धड़ल्ले से दौड़ते नजर आ रहे हैं। सर्वमंगला पुलिस चौकी, मानिकपुर चौकी और सीएसईबी पुलिस चौकी के सामने से ऐसे वाहनों की लगातार आवाजाही हो रही है। एक तरह से प्रशासन के नियमों की अनदेखी पुलिस आरक्षी केंद्र के सामने ही हो रही है। अधिकारी और कर्मचारी इसे प्रत्यक्ष देख रहे हैं। आम लोग अपनी ओर से आपत्ति दर्ज कराते रहे हैं लेकिन कुछ हो नहीं सका। सवाल उठ रहा है कि निगरानी करने वाला तंत्र आखिर किस प्रकार का काम कर रहा है।

अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता: भटगांव क्षेत्र की टीम चैंपियनशिप में विजेता, बैकुंठपुर उपविजेता

कोरबा । एसईसीएल अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता वर्ष 2021-22 में भटगांव क्षेत्र की टीम चैंपियनशिप में विजेता व बैकुंठपुर क्षेत्र की टीम उपविजेता रही। वहीं एकल विजेता संतोष वर्मा हसदेव, उपविजेता सोहराब अली बैकुंठपुर, डबल मैच में ओमप्रकाश व आरपी सागर गेवरा की जोड़ी विजेता एवं रंजीत और राकेश भटगांव के उपविजेता बने।

एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के सीनियर क्लब में आयोजित अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता में 13 क्षेत्रों से 76 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में एसईसीएल कोरबा क्षेत्र महाप्रबंधक बिश्वनाथ सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रुप में एसईसीएल संचालन समिति के सदस्य मजरुल हक अंसारी, गोपाल नारायण सिंह, बीएम मनोहर, एसईसीएल कल्याण मंडल के सदस्य अजय विश्वकर्मा, देवेंद्र कुमार निराला, एसईसीएल सुरक्षा समिति सदस्य बी धर्मा राव, संजय सिंह, जीएस प्रसाद सिस्टा के अध्यक्ष लुकस तेलारे महासचिव आरपी खांडे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विश्वनाथ सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि एसईसीएल द्वारा प्रति वर्ष विभिन्न खेलों एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जाता है। इससे कर्मचारियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलने के साथ ही राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता के अनुरूप पहुंचने का अवसर भी प्राप्त होता है। खेल मनोरंजन के साथ हमारे बीच एकता स्थापित करते है। यहां पर पूरे एसईसीएल से कैरम के प्रतिभावान खिलाड़ी एकत्र है, जो कल कोल् इंडिया स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर कंपनी का नाम रौशन करेंगे। इस मौके पर उन्होंने कोल् इंडिया के लिए एसईसीएल की चयनित टीम की घोषणा भी की। कार्यक्रम का स्वागत भाषण एवं खेल प्रतिवेदन एन के पटनायक क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक कोरबा क्षेत्र ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक कार्मिक विनोद सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक कार्मिक माधुरी ने दिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुं0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिन्दुओं पर मतान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

बालको ने सुरक्षा मानदंडों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए जीता सीआईआई अवार्ड

कोरबा । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको को अपनी ष्सुरक्षा संकल्प कुटुंब परियोजना के लिए 5वीं सीआईआई नेशनल सेफ्टी प्रैक्टिस प्रतियोगिता में प्लेटिनियम विनर घोषित किया गया। इस वर्ष प्रतियोगिता की थीम श्कार्यस्थल सुरक्षा में उत्कृष्टताथी, जिसमें प्रतिभागी औद्योगिक संगठनों ने उनके द्वारा लागू की गई औद्योगिक सुरक्षा संस्कृति और कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रदर्शन के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण सुधार को वर्चुअल माध्यम से प्रस्तुत किया।

बालको के ष्सुरक्षा संकल्प कुटुंब परियोजना में सेफ्टी डिजिटलाइजेशन मॉड्यूल के पांच बिंदुओं को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य श्रेष्ठ सुरक्षा संस्कृति का निर्माण करना है। इसमें ऑगमेंटेडध्वर्चुअल, मिक्स्ड रिएलिटी ट्रेनिंग सेंटर, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस बेस्ड वीडियो एनालिटिक्स, सस्टेनेबिलिटी मोबाइल एप, कौशल विकास और निर्माण के उद्देश्य से जुड़े कार्यबल के लिए सुरक्षा मॉड्यूल पर ई-लर्निंग कोर्स, असुरक्षित क्रियाओं और स्थिति का स्वत: पता लगाना, डिजिटल सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना तथा सुरक्षा संवाद और कार्यबल सुरक्षा, उत्पादकता में बढ़ोत्तरी तथा असुरक्षित क्षेत्रों की ट्रैकिंग शामिल हैं।

इस उपलब्धि पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने कहा कि यह सुरक्षा के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बालको में कार्यस्थल पर किसी भी तरह की असुरक्षित गतिविधि को पूर्ण रूप से नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी को सशक्त बनाया जा रहा है। इसके जरिए शून्य क्षति की नीति के अनुरूप संयंत्र को सबसे सुरक्षित कार्यस्थल बनाने के लिए बालको प्रबंधन कटिबद्ध है। सभी की सहभागिता और औद्योगिक सुरक्षा को पुख्ता बनाने की दिशा में अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा प्रथम कार्य संस्कृति की स्थापना में मदद मिली है।

कार्यस्थल पर सुरक्षा मानदंडों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए बालको ने ड्यूपॉन्ट सस्टेनिबिलिटी सॉल्यूशंस के साथ साझेदारी की है। औद्योगिक सुरक्षा के सराहनीय प्रबंधन के लिए बालको ने वर्ष 2017, 2018 और 2019 के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार खदान प्राप्त किए। सुरक्षा संबंधी विभिन्न मॉड्यूल के प्रति कर्मचारियों और व्यवसाय के साझेदारों की जागरूकता के लिए प्रति माह पहली तारीख को सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसके माध्यम से सुरक्षा संबंधी अनुभव साझा किए जाते हैं।